वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 125 | शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

निवेश और औद्योगिक क्षेत्र में राज्य ने रचा नया इतिहास

राजस्थान आपार संभावनाओं का प्रदेश : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

निवेशक राज्य की विकास यात्रा में बनें सहभागी, बिजली-पानी-रोजगार क्षेत्र में ले रहे अभूतपूर्व निर्णय

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को जयपुर में इकोनॉमिक टाइम्स राजस्थान बिजनेस समिट 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टिकोण से सबसे बड़ा तथा व्यापारिक दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन से राज्य सरकार को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, इनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर धरातल पर काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को अधिक सुगम बनाने के लिए राज्य में राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान मिनरल पॉलिसी, रीको प्रत्यक्ष आवंटन नीति, डेटा सेंटर नीति, वस्त्र एवं परिधान नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति जैसी नीतियां जारी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। जोधपुर-पाली औद्योगिक गलियारा, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का यह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो 19 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 50,000 प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा वस्त्र, कृषि, इंजीनियरिंग और ऑटो क्लस्टर उद्योगों पर केंद्रित यह परियोजना राजस्थान को औद्योगिक मानचित्र पर नया स्थान दिलाएगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है तथा 2027 तक सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए ''एक पेड़ मां के नाम अभियान'' से प्रेरणा लेते हुए ''हरियालो राजस्थान'' की शुरूआत की है। अभियान के तहत 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है तथा अब तक हम 17 करोड़ से अधिक पौधे लगा चुके हैं। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के सदस्य प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने कहा कि राजस्थान सरकार सुशासन का पर्याय बन चुकी है। वर्तमान सरकार जिम्मेदारी, जवाबदेही और उत्तरदायित्व के साथ कार्य कर रही है। यह पहला ऐसा राज्य है, जिसने अपने कार्यकाल के शुरूआत में ही निवेश समिट का आयोजन किया, साथ ही राजस्थान सरकार द्वारा सतत विकास को बढ़ावा देते हुए हरियालो राजस्थान, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसे नवाचार भी किए गए हैं।

जिलों के विकास से बनेगा विकसित राजस्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में असीमित अवसरों के साथ प्राकृतिक संसाधन एवं कुशल मानव संसाधन मौजूद है। राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण, 1 हजार 300 गांवों को डामर सड़कों से जोड़ना, मिसिंग लिंक रोड का निर्माण, जयपुर एयरपोर्ट का विस्तार सहित विभिन्न कार्यों से राज्य में विकास के नए मानदंड स्थापित किए जा रहे हैं। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। अक्षय ऊर्जा तथा ट्रांसमिशन तंत्र को विकसित करने से इस क्षेत्र में बहुत तेजी से कार्य हो रहा है। हमारा संकल्प है कि हम किसान को 2027 तक दिन में बिजली देंगे।

उत्तम क्षमा धर्म के साथ दसलक्षण पर्व हुए प्रारंभ

क्षमा धर्म हमारे अंदर भाव से उतरना चाहिए : आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। 28 अगस्त 2025 से उत्तम क्षमा धर्म के साथ दस लक्षण पर्व का शुभारंभ हो गया। सुबह 5:00 बजे से ही भक्तों का मंदिर आना शुरू हो गया। प्रातः 5:15 पर आचार्य श्री108 विनिश्चय सागर महाराज के द्वारा ध्यान कराया गया इसमें काफी संख्या में भक्त मौजूद रहे। इसके उपरांत मूल नायक भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांति धारा की गई एवं मंदिर परिसर में सभी वेदियों पर विधि विधान के साथ अभिषेक पूजन किया गया इसी क्रम में प्रवचन सभा स्थल पर आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज सानिध्य में श्रीजी का अभिषेक एवम शांति धारा संपन्न हुई। क्रियाएं विधि विधान के साथ ब्रह्मचारी स्वतंत्र भैया एवं ब्रह्मचारी राहुल भैया ने संपन्न कराई। इसके बाद सामूहिक पूजन किया गया जो संगीत स्वर लहरियों के साथ भक्ति भाव से संपन्न हुई। इसके उपरांत तत्वार्थ सूत्र के 10 अध्याय के तीन मुख्य मंडलों पर तीन मुख्य परिवारों द्वारा अरघ समर्पित किए गए बनाए गए तीन मुख्य मंडल आकर्षण का केंद्र बिंदु है। जो आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज संघ सानिध्य मे सम्पन्न किया गया। मंगल प्रवचन देते हुए आचार्य श्री ने उत्तम क्षमा के विषय पर प्रकाश डाला आचार्य श्री ने कहा धन चला जाता है तन चला जाता है लेकिन क्रोध

नहीं जाता क्रोध आत्मा में बैठे राग द्वेष का परिणाम है। कषाय अपने आप कभी नहीं आती सबसे बड़ा क्रोध का कारण धन दूसरा कारण मन की नहीं होना तीसरा कारण है सब हमारे अनुसार चले। क्रोध इन्हीं तीन चीजों के कारण होता है।

आत्म अवलोकन का शुभारंभ क्षमा से: ऊर्जयंत सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज ने आज दश लक्षण महापर्व के अंतर्गत वरुण पथ समाज द्वारा आत्म अवलोकन के भावों से आयोजित धर्म सभा में उपस्थित जन समुदाय को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि जैन दर्शन में यदि आप क्षमा के महत्व को नही समझ पाए तो आपका कल्याण नही हो सकता। भव्य आत्माओं हम आज अपनी आत्मा के अवलोकन के लिए इस अनुष्ठान में आहुति देंगे और अपने जीवन का कल्याण करने का प्रयास करेंगे। इसलिए प्रभु स्मरण करते समय भावों में शुद्धता का होना परम आवश्यक है यदि आपका मन कही और और शरीर कही और हो तो आप पूजा के फल को प्राप्त नही कर सकते । इसलिए इस 10 दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ क्षमा से किया जाता है ताकि हम मन में आए विकारो को समाप्त कर अपने जीवन का कल्याण कर सके। अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि दस लक्षण महापर्व का शुभारंभ श्री जी के अभिषेक एवं शांति धारा से हुआ इस अवसर पर मूल नायक भगवान महावीर की शांति धारा करने का सौभाग्य श्यामा देवी सुनील सुनीता गोधा को प्राप्त हुआ।संगठन मंत्री विनेश सोगानी ने बताया कि आत्म अवलोकन समारोह का ध्वजारोहण के माध्यम से विधिवत शुभारंभ करने का सौभाग्य सुरेश पुष्पा आशीष करुणा तन्मय अविरल जैन गोधा परिवार को प्राप्त हुआ । दश लक्षण महापर्व कार्यक्रम के संयोजक ज्ञान बिलाला ने बताया कि प्रोफेसर हितेंद्र जैन के निर्देशन में विद्यासागर सभागार भवन में दस दिवसीय विधान का आयोजन किया जा रहा है । इस अवसर पर आयोजित सभी क्रियाएं करने का सौभाग्य आज के सोधर्म इंद्र पूरणमल ललीता देवी अनोपडा को प्राप्त हुआ। भगवान महावीर स्वामी एवं वात्सल्य रत्नाकर आचार्य गुरुवर विमल सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य भी सोधर्म इन्द्र को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर एमपी जैन, ज्ञान बिलाला, कैलाश सेठी,विनेश सोगानी, गिरीश जैन, ने सभी अतिथियों का सम्मान किया।

वेद ज्ञान

अतीत में छिपी भविष्य की कड़ी

भारतीय ज्ञान परंपरा, उसके ग्रंथ और ज्ञानार्जन के लिए विकसित गुरुकुल प्रणाली से सामान्य परिचय भी मनुष्य और प्रकृति के बीच के संवेदनशील संबंधों को उजागर ही नहीं करता है, वरन उसे बनाए रखने का उत्तरदायित्व भी मनुष्य को ही स्पष्ट रूप से सौंपता है। लोग इन संबंधों के महत्व को धीरे-धीरे भूलते गए, प्रकृति का शोषण लगातार बढ़ता गया कि उसकी क्षतिपूर्ति असंभव होती गई। भारत की ज्ञानार्जन परंपरा और उसके प्राचीन ग्रंथों में प्रकृति और मनुष्य के संबंधों को विस्तार से वर्णित किया गया था और अपेक्षा तो यही की जा सकती थी कि भारत प्रकृति के दोहन में स्वयं कभी भागीदार नहीं होगा, परंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रगति और विकास की दौड़ में पश्चिमी देशों की नकल के फेर में पड़कर भारत अपने उत्तरदायित्व से विमुख हो गया। इसे रोकने में वास्तव में भारत को नेतृत्व प्रदान करना था, मगर भौतिकता की चकाचौंध में भारतीयों ने स्वयं भी वही किया जो अन्य लोग कर रहे थे। परिणामस्वरूप आज पूरी दुनिया विनाश के मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है। अब वैश्विक स्तर पर यह माना जा रहा है कि स्थिति को बदलने के लिए सबसे पहले ऐसी शिक्षा को हर व्यक्तितक पहुंचाना होगा जिसके द्वारा हर व्यक्ति को समाज तथा परिवार और स्वयं अपने लिए अनुशासन और मान्यताओं का बोध हो जिससे प्रकृति का शोषण न हो। यह भी जानना है कि वे कौन से मूल्य और कौशल हैं जिनको अपनाकर विकास की प्रक्रिया भी जारी रखी जाए, मगर उसमें आधार सततता बने न कि वह बेलगाम हो जाए और उसकी दिशा विनाश की ओर मुड़ जाए! इस समय शिक्षाविदों, चिंतकों तथा विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों के समक्ष ऐसी शिक्षा व्यवस्था की संकल्पना को साकार रूप देने की आवश्यकता है जो विकास और प्रगति को सततता का सुदृढ़ आधार प्रदान कर सके। इसके लिए प्राचीन भारत के मनीषियों ने जो दर्शन दिया था उसका पुनः अध्ययन तथा चिंतन आवश्यक है। वह आज भी अपना महत्व रखता है। इसे विश्वव्यापी चर्चा में लाने के लिए प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति के उन तत्वों के अंतर्निहित महत्व को समझाने का समय आ गया है जिनमें पेड़-पौधे, जीव-जंतुओं, नदियों-पहाड़ों-जंगलों में देवत्व देखने की बात कही गई थी।

संपादकीय

भारत की कूटनीतिक और आर्थिक मजबूती

आज के समय में भारत की कूटनीतिक और आर्थिक मजबूती बहुत लोगों को आश्चर्य में डाल रही है। इसी दिशा में नया चौंकाने वाला खुलासा जर्मनी के एक अखबार ने किया है। अगर इस अखबार का दावा सही है, तो वह एक बहुत बड़ी बात है कि बीते दिनों भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए गए चार फोन कॉल्स का कोई जवाब नहीं दिया है। जर्मनी के इस अखबार फ्रैंकफर्टर अलगेमाइन जितुंग

ने अपने विश्लेषण में दोटूक इशारा किया है कि व्यापार संबंधी विवादों में ट्रंप की चेतावनियां या धमकियां जिस तरह से दूसरे देशों पर असर कर रही हैं, वैसा भारत पर नहीं कर पा रही हैं। भारत पर दबाव बनाने की ट्रंप की नीति नाकाम हो रही है और यह भारत व भारतीय प्रधानमंत्री की मजबूती का प्रमाण है। बीते दिनों में दवाव के बावजूद हमने भारत सरकार की दृढ़ता को देखा है और स्वयं प्रधानमंत्री अनेक बार यह दोहरा चुके हैं कि वह भारत के किसानों, मजदूरों के हित के विरुद्ध नहीं जाएंगे। भारत न केवल ज्यादा अमेरिकी टैरिफ के लिए तैयार है, वह जुमार्ने का सामना करने को भी दृढ़ दिख रहा है। भारत अभी भी अमेरिका की नाराजगी मोल लेते हुए रूस से तेल लेने के पक्ष में है। ऐसे में, भारतीय प्रधानमंत्री अगर अमेरिकी राष्ट्रपति का फोन नहीं उठा रहे हैं, तो यह अपने आप में बड़ी वैश्विक घटना है। जर्मनी के इस अखबार ने यह बताया है कि ट्रंप अपनी बात मनवाने के लिए मीडिया का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। जैसे वियतनाम के मामले में उन्होंने समझौते से पहले ही व्यापार सौदे की घोषणा कर दी, ठीक ऐसी ही कोशिश ट्रंप भारत के संदर्भ में भी कर चुके हैं, पर भारत ऐसी अनुचित अमेरिकी कोशिशों को जरा भी भाव नहीं दे रहा है। भारत के सामने ट्रंप के मीडिया स्टंट फेल हो जा रहे हैं। दुनिया गवाह है कि ट्रंप भारत- पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का श्रेय लूटने की भी कोशिश करते रहे हैं, पर भारतीय प्रधानमंत्री भी ऐसी कोशिशों पर पानी फेर चुके हैं। ऐसे में, ट्रंप के फोन कॉल्स का अगर भारत की ओर से कोई जवाब न गया हो, तो यह कोई विचित्र बात नहीं। ट्रंप की यह प्रवृत्ति रही है कि वह अपनी बात मनवाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। जैसे वह भारत से अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवादियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान को भी सहलाने में जुटे हैं। अतः भारतीय प्रधानमंत्री की दृढ़ता ऐतिहासिक है। आंतरिक रूप से भी भारतीय प्रधानमंत्री की कोशिशों पर हमें गौर करना चाहिए। अहमदाबाद में हजारों करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी उत्पादों के अधिकतम उपयोग का जो आह्वान किया है, उससे पता चलता है कि वह देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जुटे हैं। प्रधानमंत्री ने दुकानदारों से भी अपील की है कि वे अपनी दुकानों पर स्वदेशी का बोर्ड लगाएं, ताकि खरीदारों को आसानी हो। यह कोई रस्मन दिया गया बयान नहीं है, आज से लागू हो रहे 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के आलोक में इसकी अहमियत स्वतः स्पष्ट हो जाती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

निगरानी

पिछले 11 वर्षों में भारत की डिजिटल क्रांति ने देश को बदल दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया अभियान देश के करोड़ों लोगों को सशक्त बना रहा है। इसमें यूपीआई भुगतान प्रणाली, 5जी कनेक्टिविटी और सेमीकंडक्टर सिस्टम जैसे एप की अहम भूमिका है। मगर डिजिटल क्षेत्र में प्रगति के साथ नई नई तरह की समस्याएं भी आई हैं। बेतरतीब ढंग से बढ़ते ऑनलाइन गेमिंग से लोगों को जुए की लत लगने लगी, पैसे गए, यहां तक कि मौतें भी हुई हैं। इनसे निपटने के लिए केंद्र सरकार 'ऑनलाइन गेमिंग बिल-2025' लेकर आई, जो अब कानून बन चुका है। कर चोरों की पनाहगाह बने देशों (टैक्स हेवन) में जालसाजी करके बनाए गए ऑनलाइन मनी गेमिंग एप भारत के कुछ कमजोर तबकों, कम जागरूक लोगों, खासकर युवाओं से झूठे वादे किए और तुरंत अमीर बनाने का लालच देकर उन्हें अपनी जाल में फंसा लिया। ऑनलाइन जुए की लत के कारण बांदीपोरा में एक व्यक्ति ने डेढ़ करोड़ रुपये गंवाए, जिससे उसका पूरा परिवार बिखर गया । मैसूर में एक पिता और उसके दो बेटों ने गेमिंग में हार के बाद आत्महत्या कर ली। कर्नाटक में 31 महीनों में 32 गेमर्स ने आत्महत्या कर ली। यह इंतिहा थी, जिसको सार्वजनिक मानसिक आपातकाल की तरह लिया गया। ये वेबसाइट्स सिर्फ लोगों को ही नुकसान नहीं पहुंचातीं, बल्कि वित्तीय धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग को भी बढ़ावा देती हैं, जिससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ती है। ऑनलाइन गेमिंग कानून- 2025 में इन खतरों से निपटने के पुख्ता प्रावधान किए गए हैं। यह सट्टेबाजी, जुआ, फंतासी स्पोर्ट्स और लॉटरी जैसे ऑनलाइन मनी गेम्स पर पूरी तरह रोक लगाता है। इतना ही नहीं, इसके लिए सख्त सजा के प्रावधान किए गए हैं। इन खेलों में लिप्त पाए जाने वाले ऑपरेटरों, उनके विज्ञापनदाताओं और उनकी वित्तीय मदद करने वालों को तीन से लेकर पांच साल तक की जेल की सजा होगी और एक से दो करोड़ रुपये तक जुर्माना वसूला जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत काम करने वाली ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी को गेमिंग साइट्स पर रोक लगाने का अधिकार होगा। अगर कोई ऑनलाइन जुआ खेलता है, तो उससे संबंधित वित्तीय लेन-देन पर बैंक प्रतिबंध लगा देंगे। इस कानून में ट्रेनिंग अकादमी, रिसर्च सेंटर और तकनीकी प्लेटफॉर्म बनाने के प्रावधान हैं। ई झ स्पोर्ट्स इवेंट्स के लिए दिशा-निर्देश बनाने का काम खेल मंत्रालय को दिया गया है। मंत्रालय ऑनलाइन सामाजिक खेलों को मान्यता देगा, सुरक्षित और उम्र के हिसाब से सही सामाजिक व शैक्षिक खेलों के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा, जागरूकता फैलाएगा और सांस्कृतिक शैक्षिक खेल सामग्री मुहैया कराएगा। यह कानून देश के 65 प्रतिशत युवाओं के हित में है। उम्र सत्यापन, खर्च की सीमा और शिकायत निवारण प्रणाली की मदद से यह जुए के लती बन चुके लोगों के परिवारों को मानसिक और आर्थिक बोझ से उबारने में मदद करेगा । डाटा के स्थानीय होने और फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट के साथ तालमेल कर निगरानी करने से गैर-कानूनी जुआ गतिविधि रुकेगी और यह कानून भारतीय न्याय संहिता जैसे कानूनी संहिताओं के साथ तालमेल कर काम करेगा। सबसे अहम है कि यह कानून गेमिंग के खिलाफ नहीं है। यह ई स्पोर्ट्स को एक वैध खेल के रूप में बढ़ावा देता है और सामाजिक व शैक्षिक खेलों को भी प्रोत्साहित करता हैं। भारत का सकारात्मक गेमिंग उद्योग 2028 तक 25,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है और दो लाख से ज्यादा नौकरियां पैदा कर सकता है।

पर्वराज दस लक्षण पर्व का हुआ भव्य शुभारंभ गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी सान्निध्य में हुआ

भोपाल. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दानिश कुंज भोपाल में पर्वराज दस लक्षण पर्व का भव्य शुभारंभ हुआ । पर्व के प्रथम दिन भक्तों का उल्लास नजर आ रहा था । सभी पुरुष वर्ग ने प्रभु की अभिषेक शांतिधारा करने का अवसर प्राप्त किया । माताजी के मुखारविंद से शांतिधारा उच्चारित की गई। तत्पश्चात सभी ने मिलकर गुरु पूजन का आनंद लिया। हर्षोल्लास पूर्वक सभी ने प्रभु भक्ति व गुरु पूजन का आनन्द लिया। बढ़ते क्रम में माताजी की मंगल देशना का समय आया और सभी भक्तों ने । मंगलमय देशना का रसास्वादन किया । माताजी ने उपस्थित जनसमूह को पर्वराज दस लक्षण का एवं क्षमा धर्म का महत्व बताते हुए कहा कि - सभी पर्वों का राजा है यह पर्व दस लक्षण । जैसे 28 नक्षत्र होते हैं उसमें से 10 नक्षत्र में ही किसान बीज बो सकता है और फल प्राप्त कर सकता है यदि इस समय का दुरुपयोग कर लिया तो वह उस वर्ष फल प्राप्त करने में सक्षम नहीं होगा। ठीक उसी प्रकार यदि इन 10 दिनों में धर्म कर लिया तो जीवन का सार प्राप्त कर लिया और नहीं तो उसका जीवन शुन्य की भांति ही रह जायेगा। हम 12 माह यदि धर्म नहीं कर पा रहे तो कम से कम इन 10 दिनों में बुराईयों का विसर्जन कर आत्मा का सृजन करें। माताजी ने कहा कि - हमारा सबसे बड़ा शत्रु है

क्रोध । एक बार के क्रोध करने से 17000 श्वेत कोशिकाएं रक्त रुप परिवर्तित हो जाती है जिससे शरीर में रोग के परमाणु बढ़ते जाते हैं। इसलिए आचार्यों ने सबसे पहले क्षमा को रखा और अंत में भी क्षमा को रखा। क्योंकि यह एक गुण प्राप्त कर लिया तो सारे गुण स्वतः ही उत्पन्न हो जायेंगे। यदि रिश्तों को बनाये रखना है तो क्रोध का शमन कर क्षमा के जल से सिंचन करो तो जीवन सुखमय बनेगा।

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मुहाना मंडी में दस लक्षण पर्व का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। महातपस्वी महर्षिआचार्य श्री 108 कुशाग्र नंदीजी गुरुदेव के आशीर्वाद से पारस विहार व आस-पास की कालोनी के साधर्मी बधुं दसलक्षण महापर्व सामुहिक रुप मे उपस्थित होकर दिनांक 28.8.25 से 06.09.25 तक दसलक्षण महा मंडल विधान पर पुजा का आयोजन चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मुहाना मंडी जयपुर में बड़े हर्षोल्लास से कर रहे है। बृहस्पतिवार, पंचमी उत्तम क्षमा महापर्व पर अभिषेक, शान्तिधारा करने के पुण्यार्जक विरेंद्र के. सेठी- मधु सेठी, पारस विहार, अरुण - शशि जैन बाकलीवाल रेवडीवाले, तारों की कुट, टोंक रोड़, संतोष - शोभा जैन सडूवाले, पारस विहार, मुहाना मंडी, मनोज बाकलीवाल- रिंकी बाकलीवाल रेवडीवाले सीए. बम्बई, पवन कुमार- सरोज जैन गोदिका पारस विहार थे। सभी धर्म प्रेमी बंधुओं ने दसलक्षण महापर्व के पावन दिवस पर पधार कर दसलक्षण मंडल विधान पुजन एवं नित्य नियम पुजन करके सभी साधर्मी बंधुओं ने धर्म लाभ का संचय किया।

-पवन कुमार जैन (गोदीका) अध्यक्ष

दिगंबर जैन समाज के दशलक्षण महापर्व का हुआ शुभारंभ

प्रथम दिन उत्तम क्षमा धर्म की पूजा की

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। दिगंबर जैन समाज के दस दिवसीय महापर्व दशलक्षण महापर्व का शुभारंभ आज उत्तम क्षमा धर्म की पूजा के साथ धूमधाम से हुआ। शहर भर के जैन मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी, जहां विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। पर्व की शुरूआत प्रातःकाल सभी जिनालयों में अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुई। इस अवसर पर, श्री दिगंबर जैन पचायती नसियांजी में श्री महावीर स्वामी मूलनायक भगवान का स्वर्ण कलश से अभिषेक करने का सौभाग्य अशोक उज्जवल पुष्प रियाश काला जैन परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं शांतिनाथ भगवान के रजत कलशों से शांतिधारा करने का सौभाग्य चंद्रप्रकाश, अमित, कविश, अथर्व गोधा, शशिकांत, राहुल, आशीष, अरिहंत गदिया, वीरकुमार, कमलकुमार, सन्मति रावकां एवं अशोक उज्जवल पुष्प काला परिवार को मिला। इसके पश्चात श्रद्धालु श्रावक- श्राविकाओं द्वारा विशेष पूजन अर्चना की गई। दिन में डोंगरगढ़ से पधारे विद्वत पंडित अरिहन्त जैन शास्त्री द्वारा दशलक्षण महापर्व पर विशेष प्रवचन और तत्वार्थ सूत्र का अध्ययन कराया गया। शाम को आरती के बाद, पंडित जी ने उत्तम क्षमा धर्म पर सारगर्भित प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि क्षमा आत्मा का धर्म है और यह सम्यग्दर्शन, ज्ञान व चारित्र का मुख्य आधार है। उन्होंने समझाया कि क्रोध, कलह, क्रूरता और कटुता से दूर रहकर जीवन में क्षमा, सहनशीलता और समता का भाव बनाए रखना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रम रात्रि में चक्रेश जैन एंड पार्टी, सोजना टीकमगढ़ द्वारा दशलक्षण धर्म पर आधारित एक मनमोहक सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसके प्रायोजक राजकुमार -चंदा , यशोधर -अमानी जैन पहाड़िया परिवार रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दिगंबर जैन समाज के महिला-पुरुष उपस्थित रहे। समाज के मंत्री दिनेश अजमेरा व प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि आज महापर्व के दूसरे दिन उत्तम मार्दव धर्म की पूजा अर्चना की जाएगी। यह पर्व दस दिनों तक चलेगा, जिसमें हर दिन एक नए धर्म की आराधना की जाएगी।

पर्वो के पर्वराज का प्रथम चरण-उत्तम क्षमा: आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

तरुणसागरम तीर्थ, गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वषायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में आज से पयुषन महापर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि पर्वों के पर्वराज का प्रथम चरण-उत्तम क्षमा। उत्तम क्षमा की जिन्दगी जीने के लिये, कभी कभी - अपमान, उपेक्षा और कषाय की झाड़ झंझटो से भी जूझना पड़ता है। इसलिए क्रोध करने के लिये रवि पुष्य योग सर्व श्रेष्ठ है.. और क्षमा के लिये बारह महिने चौबीस घन्टे..! अमृत चौघड़िया उपलब्ध है। रोजमर्रा की ज़िन्दगी में अक्सर हम और आप देखते हैं कि क्रोध करते हैं और फिर अफसोस करते

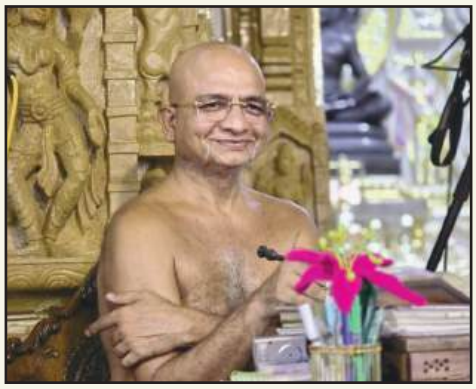

हैं कि मुझे क्रोध नहीं करना था, क्यों कर दिया-? जरा सा निमित्त मिलता है और हम बेकाबू हो जाते हैं, फिर पश्चाताप करने लगते हैं, यह क्रम जीवन भर चलता है। पश्चाताप नहीं अब प्रायश्चित करना है। क्रोध के परिणामों पर विचार करना है। अन्यथा एक क्रोध-आदमी को बना देता है। क्रोध करना बुरा नहीं है, क्रोध को मन में रख लेना बुरा है, बैर की गाँठ बांध लेना बुरा है। क्रोध में बदले का भाव ही हमें भव भव भटकने को मजबूर कर देता है। कमठ - बदले के भाव के कारण से आज तक भटक रहा है और अनन्त दुःख भोग रहा है। इसलिए क्रोध को दबाने की नहीं - देखने और जानने की आवश्यकता है। क्रोध को दबाना ही खतरनाक है, कब तक क्रोध को दबा कर रखोगे-? एक दिन तो गुबार निकलेगा - क्योंकि दमन और वमन दोनों खतरनाक है। इसलिए जो अपने क्रोध के दुष्प्रभाव को जान लेता है, वही उत्तम क्षमा को धारण कर पाता है। क्रोध, कर्म, कर्ज और रोग को जड़ से मिटाना ही उत्तम क्षमा धर्म है...!!!

पश्चिम बंगाल झारखंड उड़ीसा सराक क्षेत्र में दस लक्षण महापर्व में हो रही धर्म प्रभावना

प्रतिभा सम्मान एवं क्षमा वाणी कार्यक्रम के साथ होगा समापन

पुरुलिया प. बंगाल. शाबाश इंडिया। परम पूज्य सराकोध्दारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की प्रेरणा से परम पूज्य आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज,आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माता जी,आर्यिका श्री आर्ष माताजी, आर्यिका श्री सुज्ञानमती माता जी के आशीर्वाद से ब्र.मंजुला दीदी,ब्र.मनीष भैया के निर्देशन में पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा के विभिन्न स्थानों पर दस लक्षण महापर्व के अवसर पर धर्म प्रभावना हो रही है। दस लक्षण पर्व का प्रथम दिन उत्तम क्षमा धर्म को सभी मंदिरों में नित्य नियम पूजन आरती, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुए। दस लक्षण महापर्व 28 अगस्त से 6 सितंबर 2025 तक धर्म प्रभावना पूर्वक पश्चिम बंगाल, उड़ीसा,झारखंड के सराक क्षेत्र में संपन्न होंगे, इस अवसर पर स्यादवाद महाविद्यालय वाराणसी,श्रमण ज्ञान भारती मथुरा, वर्णी संस्थान विकास सभा के विद्वानों द्वारा धर्म प्रभावना हो रही है।भारतीय जैन मिलन क्रमांक 10 के क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया क्षेत्रीय कार्य अध्यक्ष संजय जैन शक्कर, संयोजक मनीष विद्यार्थी, राकेश जैन बमोरी सागर में रेलवे स्टेशन पर विद्वानों को सराक क्षेत्र प्रभावना करने जा रहे विद्वानों का तिलक, टोपी लगाकर सम्मानित किया। सराक क्षेत्र में 1995 से निरंतर शीतकालीन, ग्रीष्मकालीन एवं दस लक्षण पर्व पर सतत आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक पं.मनीष शास्त्री विद्यार्थी सागर ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सराकोध्दारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से पश्चिम बंगाल झारखंड उड़ीसा के लगभग 8 लाख सराक भाइयों के उत्थान के लिए कार्य चल रहा हैं। कार्यक्रम की निर्देशक ब्र. मंजुला दीदी सम्मेद शिखर ने बताया कि पर्यूषण महापर्व के अवसर पर 25 विद्वानों द्वारा सभी मंदिर में धर्म प्रभावना होगी। सुबह से जिन मंदिरों में सामूहिक पूजन, दोपहर में क्लास, शाम को आरती, प्रवचन एवं अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न होगें। समापन के अवसर पर विद्यभावन छात्र-छात्राओं का सम्मान पाठशाला टीचर विद्वान सम्मान के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा।सहसंयोजक पंडित जयकुमार जैन दुर्ग, पं.राजकुमार जैन सागर स्थानीय संयोजक गौरांग जैन,रामदुलार जैन,सृष्टिधर जैन डॉ प्रदीप जैन, शक्तिपथ, अनुज सराक जैन कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम आयोजन में भारतवर्षीय दिगंबर जैन सराक ट्रस्ट दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल झारखंड उड़ीसा स्थानीय सराक समिति धर्म प्रभावना कार्य कर रही हैं। **प्रेषक : मनीष विद्यार्थी सागर**

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल द्वारा चूल गिरी में पार्श्वनाथ विधान का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भाद्र पद मास में हरि भरी वादियों के मध्य स्थित चूल गिरी में जैन सोशल ग्रुप कैपिटल के लगभग 300 साधर्मी बंधुओं ने भक्ति भाव से पार्श्वनाथ विधान का आयोजन कर सबके सुख शांति समृद्धि की मंगल कामना की। संस्थापक अध्यक्ष सुभाष चंद पांड्या ने बताया कि विधान में विनय स्नेहलता सोगानी -सौधर्म इंद्र , राजकुमार संतोष काला को धनपति कुबेर इंद्र,प्रमोद सुनीता जैन को ईशान इंद्र,राकेश शमीला पापड़ीवाल को सानत इंद्र एवं राजेंद्र मधुलिका जैन को महेंद्र इंद्र साथ ही नीरज सोनिया जैन को शांतिधारा एवं रितेश ऋतु पाटनी को पूजन सामग्री पुण्यार्जक का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सभी पधारे हुए अतिथियों का स्वागत एवं पूजन विधान में तन मन एवं धन से सभी सहयोगकताओं एवं भोजन व्यवस्था के लिए सुधीर गंगवाल का आभार व्यक्त किया।

EnactraX MASTER YOUR SKILLS
A Venture of Prajya
SPECTA QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.
PRESENTS & POWERED BY
WONDER CEMENT FARQ NAZAR AAYEGA
SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN
Co-Powered By
JEPEE
ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN
Co-Powered By
MARUTI CASTINGS
30 HOURS NON-STOP SPEECH
THE BIGGEST OPPORTUNITY OF YOUR LIFE
9H
LISTEN FOR 9 HOURS
★ MAKE WORLD RECORD
SAURABH JAIN
MOTIVATIONAL SPEAKER
Sunday, 9th Nov. 2025
TIME: 8:00 AM (9th Nov) 2:00 PM (10th Nov)
VENUE: BIRLA AUDITORIUM STATUE CIRCLE, JAIPUR.
: 9376-115577, 70731- 88666
Missed Call For Registration +91 9588838868
: https://l1nq.com/saurabh
In Association With
ETHNIC COTLER
Readiprint
NAV
Vandanam Group
M.S. Jewellers
cityvibes
Vivek-Asha Kala
Kleven Kitchens
K M Trans Logistics Pvt Ltd
FLO
The Pizza Gallery
Kogta FOUNDATION
ANANTARA
JEEVAN REKHA SUPERSPECIALITY
Jyoti Kumar-Indu Maheshvari
UT USHA TEXTILE
For More Info.
Supported By
Shree Jain Roadways
Thaper DENTAL CLINIC
ASHMITA JAINN
ocean home
GLORY
SAFARI GROUP
lawline

जयपुर में स्पिक मैके व्याख्यान-प्रदर्शन श्रृंखला

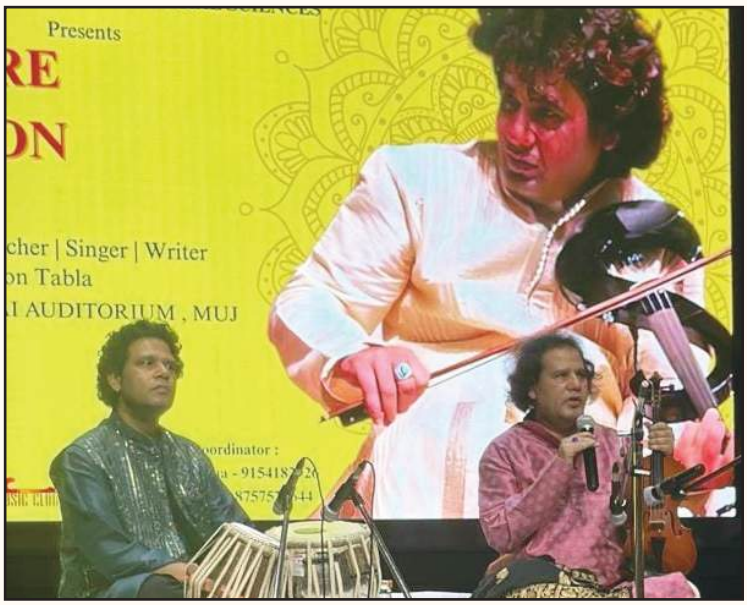

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्पिक मैके (सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूज़िक एंड कल्चर अमंगस्ट यूथ) के तत्वावधान में पुर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी तथा मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर में अद्वितीय व्याख्यान-प्रदर्शन श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वायलिन वादक उस्ताद जौहर अली खान साहब तथा तबले पर संगत करते हुए आसिफ अली ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय एवं लोक संगीत की गहराई से परिचित कराना रहा। पूर्णिमा इंस्टीट्यूट में उस्ताद जौहर अली खान ने राग किरवानी, मिश्रित भैरवी तथा भजन वैष्णव जन तो प्रस्तुत किया। राग किरवानी में उन्होंने गत की सुंदर रचना तीन ताल (16 मात्राओं) में तबले की संगति के साथ पेश की। प्रस्तुति के बाद विद्यार्थियों ने उनसे प्रश्न पूछकर संगीत की बारीकियों को समझा। मणिपाल यूनिवर्सिटी में उन्होंने राग मधुवंती का विस्तृत आलाप, जोड और झाला प्रस्तुत करते हुए वायलिन की विशेष तकनीकों को समझाया। इसके बाद राग यमन में आलापझजोडझ झाला और एक भजन प्रस्तुत किया। तबले के साथ उनकी मनमोहक जुगलबंदी ने वातावरण को जीवंत कर दिया। दोनों ही प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भारतीय शास्त्रीय संगीत को निकट से जानने का अवसर पाया। यह संपूर्ण कार्यक्रम स्पिक मैके जयपुर चैप्टर के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित किया गया, जो आंदोलन की मूल भावना विद्यार्थियों के लिए, विद्यार्थियों तक और विद्यार्थियों द्वारा का प्रतीक रहा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

दसलक्षण पर्व में उत्तम क्षमा धर्म पूजा की पूजा की

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निम्बाहेड़ा। दिगंबर धर्मवलम्बीयो के पर्वाधिराज दसलक्षण पर्व तप आराधनाओ के साथ विशेष अनुष्ठान प्रारम्भ हुए। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार दस दिवसीय दस लक्षण पर्व के अंतर्गत समाज जनों ने समाज अध्यक्ष अशोक गादिया एवं महामंत्री वी के जैन की अगुवाई मे श्री आदिनाथ और श्री शान्तिनाथ मंदिर मे विशेष अनुष्ठान के साथ दशलक्षण की पूजा अर्चना की। दशलक्षण पर्व के अंतर्गत गुरुवार को प्रथम दिवस पर बड़ी तादात मे श्रद्धालुओं ने उत्तम क्षमा धर्म पूजा की पूजा कर जिन प्रतिमाओ के समक्ष भाव से अर्घ्य विसर्जित किये। आज से प्रारम्भ होकर 6 सितंबर तक दस दिन दस लक्षण पर्व के अंतर्गत दोनों जिनालयों मे प्रतिदिन प्रातः कलशभिषेक शांति धारा, दस धर्मों की पूजा अर्चना एवं सायं प्रतिक्रमण, महा आरती,शास्त्र प्रवचन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। मंदिरो को विशेष साज सज्जा से सजाया गया।

फागी कस्बे में दसलक्षण महापर्व हुए प्रारम्भ

क्षमा करना या दूसरों के कठिन वचनों या व्यवहार को सहन करने से पूर्व जन्मों के अशुभ कर्मों का क्षय होता है : आर्यिका सुरम्य मति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में अग्रवाल सेवा सदन में आज से शुरू हुए दसलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर आज उत्तम क्षमा धर्म की पूजा हुई कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि कार्यक्रम में सौधर्म इंद्र परिवार के महावीर प्रसाद, विमल कुमार ,रमेशचंद, महेंद्र कुमार उत्तम कुमार जैन बावड़ी वाले परिवार जनों ने आज अग्रवाल सेवा सदन में झंडारोहण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में आज मंडप शुद्धि,सरलीकरण, सहित अन्य क्रियाएं करने के बाद सौधर्म इन्द्र परिवार जनों द्वारा श्री जी की महाशांति धारा की गई, दूसरी शांति धारा कपूर चंद,पारस कुमार, कमलेश कुमार, राजकुमार, गौरव जैन नला परिवार ने कर धर्म लाभ तथा पुरस्कार वितरण का भी सोभाग्य प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम बाल ब्रह्मचारिणी कनक दीदी के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा संगीतकार हर्ष जैन एंड कंपनी मध्य प्रदेश की मधुर लहरियो के बीच सम्पन्न हुआ। सकल दिगम्बर जैन समाज के सहयोग से आर्यिका सुरम्य मति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में सौधर्म इंद्र परिवार जनों द्वारा उत्तम क्षमा धर्म की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई जिसमें विधान मंडल पर 11 अर्घ्य अर्पित कर धर्म लाभ प्राप्त किया इसी कड़ी में चातुर्मास समिति के अध्यक्ष मोहनलाल झंडा एवं मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि आज दसलक्षण महामंडल विधान पूजा में पीले वस्त्रों में 151 पूज्यार्थियों ने पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में चातुर्मास समिति के महामंत्री संतोष बजाज व चातुर्मास समिति के अनिल कठमाना ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में सभी श्रावक श्राविकाओं ने नाचते गाते हुए भक्ति करते हुए जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अलग अलग परिवारों के सदस्यों ने श्रीजी का अभिषेक किया। आर्यिका श्री ने श्रृद्धालुओं को संबोधित करते हुए बताया कि उत्तम क्षमा धर्म दसलक्षण धर्म का प्रथम व सबसे महत्वपूर्ण अंग है, जिसका अर्थ है कि क्रोध ,द्वेष व घृणा का त्याग करके दूसरों के दोषों को सहन करना, क्षमा करना या दूसरों के कठिन वचनों या दुर्व्यवहार को सहन करने से पूर्व जन्मों के अशुभ कर्मों का क्षय होता है, जिससे मोक्ष का मार्ग खुलता है। क्षमा बैर भाव को खत्म करती है, जिससे आंतरिक शांति मिलती है।

प्रेषकः राजाबाबू गोधा जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान

ध्वजारोहण मंगल कलश स्थापना से कुचामन सिटी में दशलक्षण महापर्व का शुभारम्भ

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। श्री 1008 भगवान महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर डीडवाना रोड पर जैनधर्म के महापर्व दशलक्षण महोत्सव का प्रथम दिवस उतम क्षमा धर्म से शुभारम्भ पर झंडारोहन कान्ता देवी, नवीन कुमार, अनिल काला परिवार प्रेमपुरा मंगल कलश स्थापना लालचंद कमल कुमार पकंज पहाडिया परिवार के साथ पण्डित सुमति कुमार जैन इन्दोर के सानिध्य मे प्रातः 6.30 बजे 81 श्रावको ने कलशाभिषेक किया । भगवान आदिनाथ की शान्ति धारा करने का सोभाग्य तेजकुमार पंकज कुमार बडजात्या परिवार,सुरेशकुमार संदीप कुमार पाडंया परिवार , सुभाष चन्द हितेशकुमार पाटोदी परिवार को व भगवान शान्तिनाथ की शान्ति धारा ज्ञानचन्द अनुभव गोधा परिवार व मदनलाल मनोज कुमार छाबडा परिवार धुबडी आसाम को मिला । सचिव मुकेश काला के अनुसार गायक कलाकार दिनेश जैन ने देव शास्त्र गुरु पुजा, सिद्ध पुजा, पचमेरु पुजा, सोलहकारण पुजा, दशलक्षण पुजा दशलक्षण विधान पुजन भक्ति भाव से कराकर सबको प्रभु भक्ति से सराबोर कर दिया। अध्यक्ष लालचन्द पहाडिया के बताया कि दोपहर 2 बजे पण्डित सुमति कुमार जी द्वारा तत्वार्थ सूत्र का वाचन सायकाल :7 बजे आरती रात्रि 7.45 सामायिक पाठ 8.30 उत्तम क्षमाधर्म पर प्रवचन 9 बजे सास्कृतिक कार्यक्रम सभी श्रावक श्राविकाओ के साथ युवाओ ने सभी आयोजनो मे बढ चढ़कर भाग लिया।

-प्रेषक : सुभाष पहाडिया

दशलक्षण महापर्व की हुई शुरूआत, प्रथम दिन उत्तम क्षमा धर्म की हुई पूजा

सीकर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज के दशलक्षण महापर्व गुरुवार से प्रारंभ हो गए हैं। भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की पंचमी से चतुर्दशी (अनंत चतुर्दशी) तक दस दिन दशलक्षण महापर्व की धूम जैन समाज में रहेगी । समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि महापर्व में प्रथम दिन श्रद्धालुओं ने उत्तम क्षमा धर्म की पूजा की । पूजन से पूर्व प्रातः समस्त जैन मंदिरों में जिनेन्द्र प्रभु के अभिषेक एवं शांतिधारा हुई , जिसमें समाज के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया । इस महापर्व में दिगंबर जैन धर्मावलंबी दस दिन तक उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन , उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का पूजन आत्म शुद्धि की भावना के साथ करेंगे। यह पर्व समाज को ' जियो और जीने दो ' का संदेश देता है। भगवान महावीर के मूल सिद्धांत अहिसा परमो धर्म, जियो और जीने दो की राह पर चलना सिखाता है , मन में क्षमा भाव रखकर क्रोध पर नियंत्रण करना सिखाता हैं तथा मोक्ष प्राप्ति के द्वार खोलता है । समाज के पंडित जयंत शास्त्री ने प्रथम दिवस उत्तम क्षमा धर्म का महत्व बताते हुए कहा कि यह जैन धर्म के दस धर्मों में से पहला धर्म है। इसका अर्थ है किसी भी जीव को दुख न पहुंचाना या किसी अप्रिय और अवांछित घटना पर गुस्सा नहीं होना। क्षमा आत्मा का स्वाभाविक गुण है। जब आत्मा अपने वास्तविक गुणों से पतित होकर दुष्ट स्वभाव की हो जाती है तो उसे रागी या द्वेष से भरा हुआ कहा जाता है ।

धरिए क्षमा विवेक, कोप न कीजिए पीतमा: पंडित संजय जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व पर उत्तम क्षमा धर्म की पूजन की गई। पूजन विधान की शुद्धि व पूजन स्थापना श्री जे के जैन कालाडेरा परिवार द्वारा की गई। विधानाचार्य पंडित संजय जैन ने क्षमा धर्म पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उत्तम क्षमा भाव अपनाने से मन निर्मल हो जाता है और मन को शांति प्राप्त होती हैं। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि मंगल कलश की स्थापना अनिल जैन धुआं वाले परिवार द्वारा की गई। दीप प्रज्वलन श्रीमती बुलबुल व राजेश राकेश गंगवाल एवं परिवार द्वारा किया गया। संगीतकार नरेंद्र जैन द्वारा दसलक्षण धर्म की पूजा पूरे साज बाज के साथ की गई एवं दोपहर में स्वाध्याय, शाम को महा आरती एवं णमोकार मंत्र का पाठ व रात्रि में रंगशाला नाट्य अकादमी इंदौर की साधना मादावत के निर्देशन में एक नाटिका ₹विरह और वैराग्य₹ का मंचन किया गया। जिसमें नेम कुमार की बारात बैंड बाजे एवं पूरे लवाजमा के साथ पूरी कॉलोनी में निकाली गई। इस कार्यक्रम के पुण्यार्जक भरत श्रीमती रचना मोदी परिवार थे।

मेवाड़ की धरती पर गूंज रहा है गवरी की थाप से चहुंदिस उल्लास

शिव-पार्वती आराधना में भील समाज का लोकनृत्य गवरी बना आस्था का प्रतीक

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संपूर्ण मेवाड़ अंचल इन दिनों लोकनृत्य गवरी की मधुर थाप और घुंघरुओं की झंकार से सराबोर है। भगवान शिव और पार्वती की आराधना में भील समाज द्वारा प्रस्तुत यह अनूठा लोकनृत्य केवल मनोरंजन भर नहीं, बल्कि अनुशासन, आस्था और सामूहिकता का जीवंत प्रतीक है। गवरी की रौनक इन दिनों गांव-गांव और चौक-चौराहों पर देखते ही बन रही है, जहां कलाकार पारंपरिक परिधानों में पौराणिक प्रसंगों का मंचन कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। गवरी का यह आयोजन राखी के बाद से सवा महीने तक चलता है. इस दौरान भील समाज के लोग कठोर नियमों और व्रत का पालन करते हैं। इस अवधि में वे मांसाहार, मदिरा और किसी भी प्रकार के दुराचार से दूर रहते हैं तथा पूरे समर्पण भाव से भगवान शिव-पार्वती की उपासना करते हैं। गवरी के मंचन में कालूकीर, गोमामीणा, भियावड़, वरजू कांजरी, बादशाह की फौज, लाखा बंजारा और कान गूजरी जैसे पात्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहते हैं। मादल की थाप और थाली की ताल पर गूंजते संवाद न केवल दर्शकों का मनोरंजन करते हैं, बल्कि उन्हें धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से भी जोड़ते हैं। गवरी की खासियत यह है कि इसमें भाग लेने वाले कलाकार किसी प्रशिक्षित रंगमंचीय कलाकार की तरह अभ्यास नहीं करते, बल्कि परंपरागत तौर पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी सीखी गई नृत्य-नाट्य शैली को ही आगे बढ़ाते हैं। इस तरह यह परंपरा समय के साथ और भी प्रगाढ़ होती जाती है। गवरी महज एक लोकनृत्य नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने और अच्छी वर्षा, खुशहाली तथा समृद्धि की प्रार्थना का माध्यम भी है। यही कारण है कि इसे मेवाड़ की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान माना जाता है। जब गवरी का आयोजन होता है तो पूरा समाज उत्सवधर्मी वातावरण में बंध जाता है और यह लोक परंपरा लोगों को आपसी एकजुटता और धार्मिक आस्था की मजबूत डोर में बांध देती है। -रिपोर्ट/फोटो : कौशल मूंदड़ा

मुख्य अधिशासी अधिकारी डॉ. नितिश गुप्ता को मिला जी.ओ.सी.-इन-सी दक्षिणी कमान का कमेनडेशन कार्ड (प्रशस्ति कार्ड)

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। छावनी परिषद नसीराबाद के मुख्य अधिशासी अधिकारी (सी ई ओ डॉ. नितिश गुप्ता को पहली बार जी.ओ.सी.-इन-सी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ) दक्षिणी कमान, लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ के द्वारा कमेनडेशन कार्ड (प्रशस्ति कार्ड) से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड भारतीय सेना और सिविल अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य, उल्लेखनीय योगदान और असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रदान किया जाता है। भारतीय सेना में जी.ओ.सी.-इन-सी का पद, आर्मी चीफ के बाद सर्वोच्च स्तर का माना जाता है। वर्तमान में सात जी.ओ.सी.-इन-सी हैं, जिनमें छह ऑपरेशनल कमांड तथा एक ट्रेनिंग कमांड शामिल हैं। इसलिए इस स्तर पर किसी सिविल अधिकारी को सम्मानित किया जाना अपने आप में अत्यंत गौरवपूर्ण और उल्लेखनीय है। दिनांक 28 अगस्त 2025 को आयोजित समारोह में, ब्रिगेडियर, कर्नल, मेजर सहित सेना के वरिष्ठतम अधिकारियों की उपस्थिति में डॉ. गुप्ता को यह सम्मान प्रदान किया गया। यह अवसर न केवल डॉ. नितिश गुप्ता के लिए, बल्कि सम्पूर्ण नसीराबाद छावनी के लिए भी गर्व का क्षण रहा। डॉ. नितिश गुप्ता को यह सम्मान उनकी उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता, योजनाबद्ध दृष्टिकोण और लगातार किए गए विकासात्मक प्रयासों के लिए मिला है। उनके नेतृत्व में नसीराबाद छावनी ने बीते कुछ वर्षों में स्वच्छता प्रबंधन, आधारभूत संरचना के विकास, हरित क्षेत्र संरक्षण, पर्यावरण सुधार और जनहितकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विशेष रूप से स्वच्छ भारत मिशन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और हरियाली बढ़ाने की दिशा में किए गए कार्यों को व्यापक सराहना मिली है। इतिहास में पहली बार नसीराबाद छावनी को इस स्तर का प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि केवल डॉ. नितिश गुप्ता की व्यक्तिगत सफलता ही नहीं, बल्कि छावनी परिषद, कर्मचारियों और सम्पूर्ण नसीराबाद क्षेत्र की सामूहिक मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है। यह सम्मान नसीराबाद छावनी की पहचान और गौरव को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला साबित होगा। साथ ही यह आने वाले समय में और भी बड़े सुधारों, विकास योजनाओं तथा जनहितकारी पहलों की दिशा में प्रेरणास्रोत बनेगा।

उत्तम छिमा जहां मन होई, अन्तर बाहरी क्षत्रु ना कोई

दशलक्षण धर्म के पहले दिन उत्तम क्षमा पर्व पर विशेष पूजा

क्षमा आत्मा का स्वभाव है : आचार्य सुंदर सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

चित्रकूट कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में दशलक्षण महापर्व का धूम धाम से आगाज हुआ। मंदिर समिति अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा व मंत्री मूल चंद पाटनी ने बताया कि प्रातः आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी के सान्निध्य में ध्यान, योग का कार्यकम हुआ जिसमें 500 से अधिक साधकों ने भाग लिया। इसके बाद विमल सन्मति सभागार में तीर्थंकर भगवान की विशेष पूजा अर्चना एवं शांति धारा की गई । सौधर्म कैलाशचंद सोगानी परिवार ने महाशांति धारा की । प्रवेश जैन परिवार ने एक दिन में 251 णमोकार माला फेरने का संकल्प कर प्रथम अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त किया। पांडाल में 301 जोड़ो ने दशलक्षण धर्म की भव्य संगीतमय पूजा अर्चना की। भक्तों द्वारा दर्श विशुद्धि की भावना के साथ दशलक्षण धर्म की पूजा की गई। आचार्य सुंदर सागर महाराज दशलक्षण महापर्व में 10 दिन का उपवास कर रहे है। उनके सान्निध्य में महाराज माताजी व साधक 32 दिन, 16 दिन ,10 दिन व तीन दिन के उपवास कर रहे है । देश व प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से गुरुदेव के भक्त तपस्या व दर्शनों के लिए पधार रहे है। आचार्य श्री ने पूजा के बाद मंगल सुंदर प्रवचन किए। आचार्य श्री ने कहा कि उत्तम क्षमा धर्म दशलक्षण महापर्व का प्रारंभ भी क्षमा से होता है और समापन भी क्षमावाणी पर्व से होता है क्षमा आत्मा का स्वभाव है क्षमा का अर्थ है सहन करते चले जाना जिन्होंने क्षमा धर्म को अपने जीवन में स्वीकार किया वो आज भगवान बन गए महापुरुष बन गए पारसनाथ भगवान पर कमठ के जीव ने पूर्व भव के वैर से अनेकों उपसर्ग किए। उन उपसर्गों को समता पूर्वक सहन किया तो आज जगत पूजनीय हो गए। पांडवों को उनके ही भाइयों ने मुनि अवस्था में लोहे के गर्म आभूषण पहनाए लेकिन पांडव अपने निज आत्म ध्यान में लीन हो गए। गजराज मुनि के सिर पर उनके ही ससुर ने जलती हुई सिगड़ी रख दी लेकिन शांत भाव से उन्होंने उपसर्ग सहन किया। क्षमा का विरोधी क्रोध है, क्रोध में व्यक्ति दूसरों को भी जला देता है। स्वयं भी जल जाता हैं। क्रोध आत्मा की विभाव पर्याय है। क्रोधी और शराबी व्यक्ति में कोई अंतर नहीं है। शराबी व्यक्ति एक भव बिगाड़ देता है और क्रोधी व्यक्ति अनेक भव बिगाड़ देता हैं। क्षमा धर्म से ही आत्मा में अनेक गुण स्थापित हो जाते है आचार्य श्री ने कहा कि इसलिए आत्मा की विभाव पर्याय क्रोध को छोड़ कर क्षमा आत्मा की स्वभाव में जियो यही धर्म का मूल है इससे पूर्व आर्यिका चिंतनमति माताजी ने क्षमा के महत्व को बताते हुए कहा कि क्षमा व्यक्ति का आंतरिक गुण होना चाहिए । केवल दिखावे के लिए क्षमा नहीं होनी चाहिए क्षमा तो वास्तविक व बिना शर्त व बिना राग द्वेष के होनी चाहिए। प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि सायंकाल आगम युक्त शंका समाधान कार्यक्रम हुआ। आरती के बाद महिला मंडल की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम की भव्य प्रस्तुति दी गई।

-प्रेषक : विनोद जैन कोटखावदा

क्षमा से बड़ा कोई मित्र नहीं: आदित्य सागर

दशलक्षण महापर्व शुरू-पहले दिन वीतराग धर्म का क्षमा लक्षण भक्ति भाव से मनाया

दिगम्बर जैन मंदिरों में रहेगी धूम

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का दशलक्षण महापर्व गुरुवार से शुरू हुआ जिसमें पहले दिन वीतराग धर्म का पहला लक्षण उत्तम क्षमा भक्ति भाव से मनाया गया। वही शुक्रवार को वीतराग धर्म का उत्तम मार्दव लक्षण मनाया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। चातुर्मास स्थलों पर संतो ने उत्तम क्षमा पर प्रवचन दिया। जिसमें बताया गया कि " पीडै दुष्ट अनेक, बांध मार बहुविधि करे। धरिये छिमा विवेक, कोप न कीजै पीतमा।। उत्तम छिमा गहो रे भाई। इह भव जस पर भव सुखदाई।। " क्षमा ग्रहण करने से इस भव के साथ अगले जन्म में भी सुख मिलता है। गाली सुनकर भी जिसके हृदय में खेद उत्पन्न न हो वह उत्तम क्षमावान है। क्रोध का अभाव क्षमा है। इसलिए कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम् अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। अतः मनुष्य को जीवन में कभी भी क्रोध नहीं करना चाहिए। सायंकाल मंदिरों में आरती एवं प्रतिक्रमण के बाद सांस्कृतिक आयोजन होगे । मुनि आदित्य सागर महाराज ने कहा कि टौक रोड़ पर मुंशी महल गार्डन पर मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व मनाया गया। । इस मौके पर दस दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर का शुभारंभ हुआ जिसमें पूरे देश से बड़ी संख्या में

श्रद्धालुगण शामिल हुए। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि शिविर में प्रातः 4.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक योग, ध्यान एवं आत्म साधना के साथ अभिषेक, पूजा भक्ति, ईर्या पथ प्रतिक्रमण, सम्यकदर्शन दृढ़ता कक्षा, तत्वार्थ सूत्र वाचन, श्रावक प्रतिक्रमण, आचार्य भक्ति, श्रुत समाधान, आरती, भक्ति संगीत, विद्वानों के प्रवचन आदि विशेष आयोजन हुए । प्रातः 7.00 बजे समाज श्रेष्ठी संजय, पवन छाबड़ा परिवार ने ध्वजारोहण कर शिविर का शुभारंभ किया। संस्कार शिविर शिरोमणि का पुण्यार्जन समाज श्रेष्ठी गजेन्द्र प्रवीण - प्रिया, विकास-मैनका बडजात्या ने, शिविरार्थियों के भोजन का पुण्यार्जन राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद ने किया। प्रथम अभिषेक का पुण्यार्जन समाज श्रेष्ठी अशोक चांदवाड परिवार ने किया प्रचार मंत्री आशीष बैद के अनुसार इस मौके पर उत्तम क्षमा धर्म पर मुनि आदित्य सागर महाराज के विशेष प्रवचन हुए । मुनि श्री ने कहा कि चर्चा को चर्या में उतारा नहीं इसीलिए हम अब तक क्षमा धर्म की बातें सुनते आ रहे हो। खाना जितना जरूरी है उतना ही चबाना भी जरूरी है। जिनवाणी को तुम सुनते हो लेकिन उसे जीवन में नहीं उतारते हो जिस कारण से दुखी रहते हो। मुनि श्री ने कहा कि पर्व का दिन पावन होने का दिन है एन्जवाय का नहीं। व्रत के दिनों में हमें शुद्ध होने का प्रयास करना चाहिए। दस लक्षण पर्व के दस दिन हमें पावन बनने के लिए है पागल बनने के लिए नहीं। क्षमा से बड़ा कोई मित्र नहीं है और क्रोध से बड़ा कोई शत्रु नहीं है। अगर किसी को शत्रु बनाना है तो क्रोध पालना चालू कर दो। गलती करने वाले को अगर हम क्षमा कर देते हैं तो इससे बड़ा और कोई क्षमा भाव नहीं है लेकिन क्षमता केवल फॉर्मेलिटी के लिए नहीं बल्कि दिल से करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि क्षमा धर्म लघुता का नहीं प्रभुता का धर्म है । जब क्रोध आता है तो पतित होते हैं जबकि आज उत्तम क्षमा का दिन हमारे लिए पावन होने का दिन है । क्षमा की माला हमेशा फेरना चाहिए । क्षमा की माला फेरना तो सरल है लेकिन क्षमाधारण करना कठिन है । सज्जन की प्रकृति शांत रहना होती है । क्षमा धर्म सीखना है तो गुरु के पास रहना होगा । क्रोध करने से भाग्यक्षीण हो जाता है और टकराव की स्थिति बन जाती है। मुनिश्री ने कहा कि क्रोध करने का मतलब है दूसरों की सजा खुद को देना। दसलक्षण हमें व्यवस्थित होने की सीख देता है परस्पर में प्रीत बना कर रहना ही पर्व है यह जो शिविर आयोजित किया गया है यह आपके लिए साधना में सहायक होगा। शिविर में तत्वार्थ सूत्र का विधान प्रारंभ हुआ जिसमें सौधर्म इन्द्र दीक्षान्त हाडा ने सौभाग्य प्राप्त किया। इससे पूर्व धर्म सभा का दीप प्रज्जवलन व मुनि आदित्य सागर महाराज के पाद पक्षालन का पुण्यार्जन अशोक चांदवाड परिवार ने प्राप्त किया। मुख्य प्रचार प्रसार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक सायंकाल आरती के बाद प्रतिक्रमण पाठ, श्रुत समाधान, भक्ति संगीत सहित रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये । विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार में महारानी फार्म गायत्री नगर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व पूजा की गई। तारो की कूट स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सूर्य नगर में दशलक्षण महापर्व मनाया गया जिसमें प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद उत्तम क्षमा धर्म की पूजा की गई। रात्रि में भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का संगीतमय आयोजन किया गया। **प्रेषक : विनोद जैन 'कोटखावदा' प्रदेश महामंत्री**

@... पेज 14 पर

सूर्य नगर तारों की कूट के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व पर पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन किये गये

डडूका जिनालय में उत्तम क्षमा आयोजनों के साथ दस लक्षण पर्व की शुरूआत

डडूका. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज के पर्वाधिराज पर्व दशलक्षण के प्रथम दिवस दिगंबर जैन मंदिर डडूका में उत्तम क्षमा धर्म पर दिपांक भैय्याजी के निर्देशन में दिन भर विविध अनुष्ठान हुए। समाज के मीडिया प्रभारी राकेश शाह ने बताया कि प्रातः मूलनायक भगवान का अभिषेक शान्तिधारा तुभ्यम रॉकी गांधी परिवार ने की।आदीनाथ भगवान को विधान स्थल तक विहार का लाभ प्रदीप सेठ परिवार को मिला। यंत्र जी विराजमान करना धनपाल सेठ ,चंवर ढूराना कदम राकेश शाह एवं चाहत दिनेश शाह ,छत्र नमन अनिल कोठिया, विधान स्थल पर आदिनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा धनपाल शांतिलाल शाह परिवार ,विधान में मंडप पर मुख्य कलश स्थापना चेष्टा चिराग शाह ,ईशान कलश पुनम नितेश शाह ,आग्नेय कलश सीमा जिनेन्द्र गांधी , नेऋत्य कलश रजनी अनिल कोठिया , वायव्य कलश जयश्री कांतिलाल शाह, दीप प्रज्वलन एवं आचार्य श्री चित्र अनावरण सेठ धनपाल देवीलाल परिवार ने किया। दोपहर में पूजन व विधान हुआ रात्रि में सांस्कृतिक प्रभारी वीरेंद्र जैन और रॉकी गांधी के निर्देशन में और रोहिता शाह के संयोजन में धार्मिक प्रश्न मंच सीनियर व जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता आयोजित हुई। दिगंबर जैन पाठशाला डडूका के बच्चो ने पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया के निर्देशन में उत्तम क्षमा धर्म पर आकर्षक झांकी का प्रदर्शन किया।

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी कमेटी एवं इताशा सोसाइटी के सहयोग से गरीब महिलाओं को दिए गए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। इताशा सोसायटी और दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के सांझा प्रयासों से 21 महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने को लेकर प्रशिक्षित किया गया जो दो दिवसीय रहा, जिसमें सिलाई, किराना स्टोर, ब्यूटी पार्लर, कॉस्मेटिक और कपड़े आदि की बिजनेस को लेकर प्रशिक्षण देने का कार्य किया। जिसमें बिजनेस को लेकर महिलाओं के साथ रिकॉर्ड संधारण कैसे करें, खरीद और बचत प्रॉफिट मार्जन को समझने को लेकर कार्य किया। इस दौरान इस कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नल विष्णु सिंह शिकरवार, प्रशासक (से.नि.) के कर-कमलों से किया गया। जिसमें दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र से नेमीकुमार पाटनी, साहबसिंह, एवं डॉ. विजय कुमार झा की उपस्थिति रही। इताशा संस्था से शुभाशीष भावना और ओकेश ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। मंगलराम ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में गरीब और असहाय महिलाओं को प्रशिक्षित कर उनके बिजनेस को लेकर काम किया जायेगा। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी की प्रबन्धकारिणी कमेटी की भावना है कि गरीब महिलायें इन प्रशिक्षणों को लेकर अपना बिजनेस शुरू कर आत्म निर्भर बनकर अपने परिवार का लालन-पालन अच्छे से कर सके। कर्नल विष्णु सिंह शिकरवार (से.नि.) का कहना है कि हम लोग इन महिलाओं को सहायता बतौर निर्धारित धनराशि की आर्थिक मदद करेंगें और समय-समय पर इनके बिजनेस का विजिट कर इन्हें मार्ग दर्शन करने का कार्य भी करेगें। आत्म सम्मान प्रोजेक्ट से आत्म-निर्भर बनाने का कार्य करेगें। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है कि महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने को लेकर काम किया जायेगा।

अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जाग्रति संस्था के तत्वावधान में फैन्सी ड्रैस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जाग्रति संस्था द्वारा दस लक्षण महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। संस्था के सचिव डॉ इंद्र कुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा हैं जिसमें बच्चों ने आज संपुर्ण भारत के विभिन्न क्षेत्रों से फैन्सी ड्रेस पहनकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसमें आज 30 प्रतिभागियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया आज के कार्यक्रम के प्रायोजक राजमल जैन , आशीष जैन, दीपक जैन एवं परिवार जाखोदा वाले थे। कोषाध्यक्ष नवल जैन ने बताया कि इस संस्था के द्वारा प्रतिवर्ष कई धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसमें आज के कार्यक्रम के संयोजक निम्नलिखित व्यक्ति रहे धर्मेन्द्र जैन, पिंकी जैन, स्नेह लता जैन और चन्द्रकला जैन है संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार जैन ने संयोजक तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्रोध आत्मा का स्वभाव नहीं है, बल्कि एक दोष है जिसे हमें त्यागना चाहिए: डॉ. निर्मला संघी

झुमरी तलैया, कोडरमा. शाबाश इंडिया

दस लक्षण महापर्व के अवसर पर झुमरी तलैया स्थित दिगंबर जैन नया मंदिर में उत्तम क्षमा धर्म का पालन किया गया। इस दौरान अर्हं ध्यान योग प्रणेता परम पूज्य 108 प्रणम्य सागर जी महाराज के आशीर्वाद से अंतरअप्पा डॉ. निर्मला संघी ने अर्ह योग, पंच मुद्रा और संप्रेषण प्रवचन दिए। उत्तम क्षमा के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. संघी ने कहा कि क्रोध आत्मा का स्वभाव नहीं है, बल्कि एक दोष है जिसे हमें त्यागना चाहिए। क्रोध की तुलना उबलते हुए पानी से करते हुए समझाया कि जिस तरह उबलते पानी में हमें अपना चेहरा नहीं दिखता, उसी तरह क्रोध में हमारी बुद्धि नष्ट हो जाती है। उन्होंने सभी से दिन भर में उन तीन लोगों के नाम लिखने को कहा, जिन्हें देखकर उन्हें गुस्सा आता है। फिर उन नामों के आगे उन व्यक्तियों की तीन अच्छाइयां लिखने का अभ्यास करने को कहा ताकि क्षमा का भाव मन में जागृत हो सके। क्षमा वीरों का आभूषण है और इसी से हम अपनी आत्मा के स्वभाव में लौट सकते हैं। इस कार्यक्रम में सुरेंद्र सरिता काला, नरेंद्र झांझरी, सुबोध आशा गंगवाल समेत कमेटी के सदस्य और जैन समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धावास जैन मंदिर में भक्तिमय वातावरण, दशलक्षण महापर्व का हुआ भव्य शुभारंभ

मंदिर प्रांगण में आस्था और श्रद्धा का उमड़ा सैलाब। राजस्थान जैन इतिहास में पहली बार सजीव झांकी ''गिरनार का सच, जैनत्व जगाओ-तीर्थ बचाओ'' का होगा मंचन

संघस्थ ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी और सुमन दीदी के प्रवचन से प्रतिदिन मिलेगा आध्यात्मिक प्रवचन लाभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रद्धा, भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम गुरुवार को राजधानी जयपुर के श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धावास में देखने को मिला। पूज्य गुरुदेव श्री 108 सुनील सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं संघस्थ ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी और सुमन दीदी के निर्देशन में सामूहिक संगीतमय भक्तामर पाठ के साथ दशलक्षण महापर्व का भव्य शुभारंभ हुआ। मंदिर प्रांगण में गूंजते भजनों और मंत्रोच्चारण ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। धावास जैन मंदिर में प्रतिदिन दस धर्मों पर आधारित धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होंगे। मंदिर समिति के परम संरक्षक गजेंद्र, प्रवीण और विकास बड़जात्या ने जानकारी दी कि महापर्व के दौरान प्रतिदिन प्रातःकाल अभिषेक-शांतिधारा, महाआरती और णमोकार मंत्र जाप के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। मंदिर निर्माण समिति संयोजक एवं संरक्षक जयकुमार जैन बड़जात्या (सीकर वाले) ने बताया कि 2 सितंबर धूपदशमी के दिन ''गिरनार का सच, जैनत्व जगाओ-तीर्थ बचाओ'' विषय पर भव्य सजीव झांकी का मंचन होगा। यह राजस्थान जैन इतिहास में अपनी तरह का पहला आयोजन होगा। मंदिर समिति अध्यक्ष सुरेन्द्र बैद, उपाध्यक्ष प्रमोद काला एवं मंत्री मितेश ठोलिया ने बताया कि इस ऐतिहासिक झांकी में पूज्य गुरुदेव सुनील सागर महाराज के आशीर्वाद से प्रदेश और देश की कई हस्तियाँ उपस्थित रहेंगी। इनमें कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, कन्हैयालाल चौधरी, हीरालाल नागर, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व केंद्रीय मंत्री लालचंद कटारिया और जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह प्रमुख हैं। कोषाध्यक्ष हेमेन्द्र लुहाड़िया एवं सह मंत्री नरेन्द्र-मनोज जैन ने बताया कि दोपहर में रतनकरण्ड श्रावकाचार का विवेचन पूर्णिमा दीदी द्वारा किया गया। रात्रि में णमोकार मंत्र के सामूहिक जाप उपरांत उत्तम क्षमा धर्म पर प्रवचन करते हुए पूर्णिमा दीदी ने कहा कि भीतर के क्रोध एवं आवेश को शांत करने से ही उत्तम क्षमा धर्म को धारण किया जा सकता है। प्रमुख सलाहकार विजय सेठी और संरक्षक ललित काला ने बताया कि महापर्व के दौरान प्रतिदिन दस धर्मों पर संघस्थ ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी एवं सुमन दीदी प्रवचन देंगी। सह कोषाध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने बताया कि गुरुवार को 'शब्द हमारे -भजन आपके' कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भक्तिमय वातावरण देखने लायक रहा। कार्यकारी सदस्य पारस जैन, भंवरलाल जैन, अभिषेक जैन और महिला मण्डल की सरिता लुहाड़िया एवं अंजलि बैद ने बताया कि महाआरती एवं दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य जयकुमार- मंजू, सौरभ- दीपिका, मोहित- दिव्या जैन बड़जात्या परिवार तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य प्रदीप- कविता, अभिषेक- प्रियंका गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया श्री बीजे लाल जी पांड्या में दस धर्म विधान मंडल पूजा प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। लगभग 275 वर्ष से अधिक पुराने जैन धर्म के 22 वे तीर्थंकर 1008 नेमीनाथ भगवान की श्याम वर्ण की अतिशय कारी आमेर रोड स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया श्री बीजे लाल जी पांड्या में दस लक्षण पर्व के अवसर पर विधान मंडल की पूजा प्रारंभ हुई । बसंत जैन ने बताया कि प्रथम अभिषेक व शांति धारा शिखर चंद मनोज कासलीवाल साईंवाड वाले ने व मंगल कलश राजकुमार नवीन सुधीर बिलाल ने व मंगल दीप प्रज्वलन बसंत जैन ,अनित जैन पार्षद मानसी जैन बैराठी परिवार ने किया ' शिखर चंद कासलीवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष नसिया जी में बड़ी धूम धाम से दसधर्म विधान मंडल की पूजा सामूहिक रूप से की जाती है ' आज प्रथम दिन नित्य नियम पूजा के साथ साथ उत्तम क्षमा धर्म की पूजा की गई । नसिया जी में शहर के कई कॉलोनी से श्रावक गण पूजा अभिषेक करने आते है।

धूमधाम से मनाई ऋषि पंचमी

जयपुर. शाबाश इंडिया। ऋषि पंचमी के अवसर पर विश्व गुरुदीप आश्रम शोध संस्थान एवं श्री धर्म संस्कृति पीठ, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में ऋषि पूजन एवं विद्वत सम्मान समारोह का आयोजन श्याम नगर स्थित ओम विष्वगुरुदीप आश्रम में हुआ। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी एवं महंत हरिशंकर वेदांती के सान्निध्य में हुए इस आयोजन में संस्कृत मनीषियों को विविध अलंकरणों से सम्मानित किया गया। इस मौके पर अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो. सोमदेव शतांशु को पण्डित मधुसूदन ओझा सम्मान, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के निदेशक प्रो. वाईएस रमेश को भट्ट मथुरानाथ शास्त्री सम्मान,वैद्य गोपीनाथ पारीक को स्वामी लक्ष्मीराम आयुर्वेद सम्मान राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के निदेशक डॉ. लता श्रीमाली को ज्योतिष सम्मान, जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग के अध्यक्ष शास्त्री कौशलेंद्र दास को स्वामी सुरजन दास दर्शन सम्मान व राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, जयपुर के प्राचार्य डॉ. रघुवीर प्रसाद शर्मा को शास्त्र संरक्षण संवर्धन सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्वानों ने अपने वक्तव्यों में वेद, संस्कृत, आयुर्वेद और दर्शन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इन्हें जीवन में आत्मसात करने का आान किया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर ऋषि पूजन, वेदपाठ और मंगलध्वनियों के मध्य जब सम्मानित आचार्यों का अभिनंदन हुआ तो पूरा सभागार जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा के संरक्षण के लिए समाज के सभी वर्गों को संगठित होकर आगे आना होगा।

ताजगंज जैन मन्दिर में विधान के शुरु हुआ दशलक्षण महापर्व

आगरा. शाबाश इंडिया। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर ताजगंज में दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व मनाया जा रहा है ।जिसकी शुरूआत पंडित आदर्श जैन शास्त्री के निर्देशन में दशलक्षण महामंडल विधान के साथ 28 अगस्त को हुई जिसमें मूलनायक पारसनाथ भगवान का प्रथम कलश करने का सौभाग्य अभिषेक जैन और शांतिधारा करने का सौभाग्य सुबोध जैन,सचिन जैन,विजय जैन,मधुर जैन योगेश जैन को मिला जिसके बाद इक्कीस परिवारों द्वारा विधान के मांडले पर मंगल कलश स्थापना किए गए। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन 29 अगस्त को आगरा के जैन मंदिरों में उत्तम मार्दव धर्म मनाया जाएगा। इस अवसर पर संजय जैन,विजय जैन, योगेश जैन, विनय जैन, पारस जैन, मीरा जैन,रितु जैन,सपना जैन,सरोज जैन,गीता जैन समस्त ताजगंज जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

रिपोर्ट : संजय जैन

निवाई में दशलक्षण धर्म की आराधना का शुभारंभ

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित दश लक्षण धर्म के तहत गुरुवार को शहर के सभी दिगम्बर जैन मंदिरों में उत्तम क्षमा धर्म की विशेष पूजा अर्चना के साथ दशलक्षण पर्व का शुभारंभ किया गया । जिसमें निवाई के आठों जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं ने विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा पूजा अर्चनाएं की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में विधानाचार्य पण्डित सुरेश शास्त्री के सानिध्य में ऋषि मण्डल विधान का आयोजन किया गया जिसमें 10 दिनों में 500 श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर पुण्यार्जन करेंगे। इसी प्रकार नसियां जैन मंदिर, बिचला जैन मंदिर, शांतिनाथ जैन मंदिर, पार्श्वनाथ जैन मंदिर शिवाजी कालोनी सहित सभी जैन मंदिरों में दशलक्षण धर्म की विशेष पूजा आराधना की।

उत्तम क्षमा धर्म के साथ शुरू हुआ दिगंबर जैन समाज का दशलक्षण पर्व

आगरा. शाबाश इंडिया। उत्तम क्षमा धर्म के साथ 28 अगस्त से दिगंबर समाज के दशलक्षण पर्व का शुभारंभ हुआ। सभी मंदिरों को भव्य सजाया गया। धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में पूजन के लिए पहुंचे। इसी क्रम में पदमप्रभु जिनालय अवधपुरी द्वारा आगरा के प्रथम श्री पदमप्रभु जिनालय अवधपुरी में दसलक्षण पर्व का शुभारंभ हुआ। महापर्व के पहले दिन उत्तम क्षमा धर्म के रूप में मनाया गया। जिसमें भक्तों ने सर्वप्रथम प्रातः 7:00 बजे मंत्रोच्चारण के साथ प्रभु का अभिषेक और शांतिधारा की अभिषेक के बाद उपस्थित सभी भक्तों ने पंडित विवेक जैन के निर्देशन में अष्ट द्रव्यों के साथ संगीतमय में उत्तम क्षमा धर्म का पूजन किया। पंडित विवेक जैन शास्त्री ने उत्तम क्षमा धर्म के बारे में भक्तों को बताते हुए कहा कि क्रोध का कारण उपस्थित होने पर भी क्रोध न करना क्षमा है। समर्थ रहने पर भी क्रोधात्पादक निन्दा, अपमान गाली- गलौच आदि प्रतिकूल व्यवहार होने पर भी मन में कलुषता न आने देना उत्तम क्षमा धर्म है। सांय 7:00 बजे से श्रीजी की आरती एवं शास्त्र वाचन हुई।

संसारी प्राणी कषायो रागद्वेष को धर्म अर्थ, काम, मोक्ष पुरुषार्थ 10 धर्मो से आत्मा को निर्मल कर सिद्धि प्राप्त कर सकता हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

आचार्य संघ सानिध्य में इंद्रध्वज महामंडल विधान प्रारंभ

टोंक. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सानिध्य में विधानाचार्य पंडित कीर्तीय पारसोला के निर्देशन में अनेक धार्मिक कियाओ के साथ इंद्रध्वज मंडल विधान की पूजन प्रारंभ हुई । आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि वर्ष में 365 दिन में आप 355 दिनों से इन 10 विशेष दिनों की प्रतीक्षा करते हैं, कब यह पर्व आएंगे और पर्व आ भी गए। जिस निमित्त आत्मा पवित्र हो उसे पर्व कहते हैं।दश लक्षण पर्व धर्म का सीजन है, इसके पहले 16 कारण पर्व में पूजन कर तीर्थंकर नाम कर्म प्रकृति का बंध किया जाता है । धर्म के 10 अंग उत्तम क्षमा, मार्दव , आर्जव, सत्य शोच ,संयम ,तप त्याग, आकिंचन तथा ब्रह्मचर्य होते हैं । 10 लक्षण महापर्व हमारी अध्यात्मिक उन्नति का पर्व है यह हमारी संस्कृति धर्म की धरोहर है। पर्व हमें धैर्य सिखाता है, यह मंगल देशना दशलक्षण महापर्व के प्रथम उत्तम क्षमा दिवस पर आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने प्रकट की। राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि जिस प्रकार रावण के 10 मुंह होते हैं ,उसी प्रकार हम भी आत्मा पर लगी 10 बुराइयों को इन 10 धर्म से दूर नष्ट कर सकते हैं। क्रोध, मान, माया लोभ , परिग्रह से हमारी आत्मा ग्रसित है। हर प्राणी सुख ,शांति, आनंद चाहता है धर्म के बीज बोने से सुख शांति और आनंद मिलता है। जिस प्रकार बीमार व्यक्ति दवाई लेने से रोग मुक्त होता है उसी प्रकार हमारी आत्मा पर जो कर्म रूपी रोग हैं वह इन 10 धर्म के अंग रूपी रसायन दवाई से दूर होते हैं। पर्व हमें आत्मिक सुख देते हैं। जिस प्रकार दीपावली पर आप घर का कचरा अनावश्यक सामग्री दूर करते हैं ,उसी प्रकार यह पर्व भी आध्यात्मिक दीपावली है इससे आप आत्मा पर जो विषय भोग कषाय आदि गंदगी मन की निर्मलता,से आत्म साधना कर सिद्धि प्राप्त कर सकते है। इंद्र ध्वज मंडल विधान में 458 अकृत्रिम जिनालयों , प्रत्येक जिनालयों में 108 जिनेंद्र प्रभु की प्रतिमाएं है जो 500 धनुष अर्थात 2000 फीट ऊंची होती है उन 49464 प्रतिमाओं की पूजन इस विधान में आप इन्द्र बनकर कर रहे हैं। संसारी प्राणी को चार कषायो को चार पुरुषार्थ और दश धर्म से आत्मा को पावन बनाने का पुरुषार्थ कर रहे है। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिका श्री महायश मति माताजी का उपदेश हुआ। जिन मंदिरों पर ध्वजारोहण करके जो विधान इंद्र बनकर किया जाता है उसे इंद्रध्वज मंडल विधान कहते हैं। इससे यश सभी दिशा में फैलता है। धर्म की परिभाषा में बताया कि जीवो की रक्षा, सम्यक दर्शन ,उत्तम क्षमा आदि 10 धर्म, वस्तु का स्वभाव , चरित्र आदि धर्म की परिभाषा है। उत्तम क्षमा धर्म की विवेचना में अनेक उदाहरण से बताया कि क्षमा धैर्य और सहनशीलता से आती है क्षमा स्थाई होती है क्रोध अस्थाई होता है क्रोध से सर्वनाश, विवेक , विनय शरीर क्षय, और मैत्री,पुण्य ओर धैर्य का नाश होता है। क्षमा के गुण में बताया कि क्षमा अजय शक्ति, परम तीर्थ ,अमृत ,परम रसायन ,मेघ ,ज्ञान भूषण और आत्मा का स्वभाव क्षमा है। समाज प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार अनुसार आज दसलक्षण के प्रथम दिवस आचार्य श्री के सानिध्य में प्रात काल की बेला में श्रीजी का पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा की गई ।इसके पश्चात इंद्रध्वज मंडल विधान के मंडप का उद्घाटन श्रेष्ठी बाबूलाल, पदमचंद, पवन कुमार, अनिल कुमार कंटान परिवार द्वारा किया गया । तत्पश्चात इंद्र बनने का सौभाग्य कुबेर इंद्र श्रेष्ठी नरेंद्र कुमार, ओम प्रकाश, पंकज कुमार ककोड़, सोधर्म इंद्र श्रेष्ठी दिनेश कुमार, अमित, बीना छामुनिया, ईशान इंद्र श्रेष्ठी सौरभ कुमार, जंबू कुमार, टोनी कुमार आंडरा परिवार, सनत कुमार इंद्र श्रेष्ठी मोहन लाल, पुष्पा देवी छामुनिया, महेंद्र कुमार इंद्र श्रेष्ठी नेमीचंद, जितेंद्र कुमार बनेठा, ब्रहमेंद्र इंद्र श्रेष्ठी मदन लाल, मिट्ठू लाल, महावीर प्रसाद दाखिया, ब्रहमोतर इंद्र श्रेष्ठी विमलचंद, कमल कुमार, रमेश कुमार,मुकेश कुमार बरवास, लांतव इंद्र श्रेष्ठी विमल चंद, रमेश कुमार, विवेक कुमार काला, कापिष्ट इंद्र श्रेष्ठी वीरेंद्र कुमार, अंकुर कुमार पाटनी, शुक्र इंद्र श्रेष्ठी पारसचंद, अनिल, सुनील, कमल सर्राफ, महाशुक्र इंद्र श्रेष्ठी पारसचंद, सुरेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार, अंशुल कुमार छामुनिया, शतार इंद्र श्रेष्ठी पवन कुमार, सुनील कुमार, निरंजन कुमार, विकास कुमार अत्तार, शेषाद्रइंद्र श्रेष्ठी पारसचंद, अनिल, सुनील, कमल सर्राफ, प्राणत इंद्र श्रेष्ठी कमल कुमार, पुनीत कुमार, सुमित कुमार, अक्षत जागीरदार, आरण इंद्र श्रेष्ठी धर्मचंद अभिषेक कुमार आंडरा, अच्युत इंद्र श्रेष्ठी महावीर प्रसाद, धर्मचंद, जितेंद्र, अविकांश पासरोटिया, यज्ञ नायक श्रेष्ठी मदन लाल, मिट्ठू लाल, महावीर प्रसाद, सत्यप्रकाश दाखिया, दस दिवसीय अखंड ज्योति का सौभाग्य लालचंद, आशीष कुमार फूलेता परिवार को मिला ।

सभी की सुख शांति हेतु दश लक्षण महापर्व का विधि विधान से हुआ प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर मैं आज से दश लक्षण धर्म महापर्व के प्रथम दिन उत्तम क्षमा धर्म पर प्रातः 7:30 बजे नित्य नियम अभिषेक शांति धारा पुण्यार्जक परिवार लालचंद संतरा देवी एडवोकेट , सन्मति एसएफएस परिवार की तरफ सभी की सुख शांति हेतु शांति धारा की गई। उसके पश्चात दश लक्ष लक्षण धर्म के महापर्व का झंडारोहण दीप प्रज्वल सोहनलाल मनीष श्वेता सम्यक आन्या समस्त झंडा परिवार 133 गिरिराज नागर के द्वारा किया गया। विधानमंडल पर यज्ञनायक इंद्र बनकर मुख्य कलश स्थापन सुमति प्रकाश मंजू सत्येंद्र सीमा रचित काला परिवार द्वारा, दीप प्रज्वलन राजकुमार , रेखा , रौनक , डॉक्टर सीरत जैन अ 86 दादू दयाल नगर द्वारा जिनवाणी स्थापना कमल , मृदुला टोंगिया द्वारा मंडल विधान पर जिनवाणी विराजमान की गई। सभी अतिथियों का समिति अध्यक्ष कमलेश चंद्र जैन मंत्री कुणाल काला लालचंद जैन प्रचार मंत्री सुरेंद्र पाटनी युवा मंडल अध्यक्ष मनोज काला महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला पाटनी आशा जैन ने सभी को तिलक साफा और माला पहनाकर स्वागत किया। समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि विधान मंडल पूजन पूज्य आचार्य विद्यासागर जी महाराज की परम प्रभावीका शिष्या पूर्णमति माताजी द्वारा रचित पूजन,पंडित मिलाप चंद, कैलाश चंद , लालचंद झंझरी,सुनील बज,द्वारा भक्ति भाव से करवाई गई। सायकाल 6:30 बजे मंगल आरती 7:30 श्रमण संस्कृत संस्थान सांगानेर के विद्वान भैया पंडित दिनेश जैन द्वारा उत्तम क्षमा धर्म पर प्रवचन 8:30 बजे महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।